SEE MORE JESUS · WANTTOSEEMORE.COM

अच्छाई और बुराई के बारे में बाइबल क्या कहती है? — इसे जीकर दिखाना · स्ट्रॉन्ग्स नंबरों के साथ KJV पवित्रशास्त्र

इसे जीवन में उतारना · परमेश्वर के साथ चाल — रेंगना, चलना, दौड़ना, समाप्त करना

अच्छाई और बुराई — मूलभूत बाइबिल सिद्धांत

उद्घाटन शब्द

अच्छाई और बुराई केवल जानने की कोई वस्तु नहीं है। यह चलने का एक मार्ग है। कोई बालक एक दिन में चलना नहीं सीखता: पहले वह अपने हाथों और घुटनों के बल रेंगता है; फिर उसका पिता उसे बाँहों से पकड़कर चलना सिखाता है; फिर वह अकेला चलता है; फिर वह बड़ा होता है, और दौड़ता है। और जो अच्छी तरह दौड़ता है, वह एक दौड़ में दौड़ता है, और उस दौड़ का एक अंत होता है, और अंत में या तो गिरना होता है या पूरा होना। पुरानी भाषा में दो छोटे शब्द पूरे विषय को समेटे हुए हैं: तोब (H2896, अच्छा) और रा (H7451, बुरा)। नई भाषा में चार शब्द हैं: अगथोस (G18, अच्छा) और कलोस (G2570, अच्छा); ककोस (G2556, बुरा) और पोनेरोस (G4190, बुरा — इच्छा सहित बुराई)। यह अध्ययन अच्छाई और बुराई को किसी व्यक्ति के पूरे मार्ग-भर ले चलता है: कैसे इंद्रियाँ पहले उन्हें अलग पहचानना सीखती हैं; कैसे कोई व्यक्ति दिन-प्रतिदिन अच्छाई में चलता रहता है; कैसे यह चलना एक दौड़ बन जाता है और यहाँ तक कि एक युद्ध भी, जो एक वास्तविक दुष्ट के विरुद्ध लड़ा जाता है; और कैसे यह चलना समाप्त होता है — किसी कब्र पर नहीं, बल्कि जीवन के एक वृक्ष पर, जो खुला हुआ खड़ा है, जहाँ फिर कोई श्राप नहीं। इसे खोज निकालो।

इस अध्ययन में उत्तर दिए गए तीन प्रश्न:

1. एक व्यक्ति सबसे पहले भले और बुरे में भेद करना कैसे सीखता है, और यह विवेक कहाँ से आरंभ होता है?
2. एक व्यक्ति को उस विवेक के साथ क्या करना चाहिए जब उसे सीख लिया जाए — उसे दिन-प्रतिदिन के जीवन में कैसे व्यवहार में लाया जाए?
3. यह चाल कैसे एक दौड़ और बुराई के विरुद्ध एक युद्ध बन जाती है, और यह कैसे समाप्त होती है?

ग्रीक मुख्य शब्द

"अच्छा" — **G18 agathos** — स्वभाव और कार्य में अच्छा, लाभदायक

एक भी अच्छा नहीं, केवल एक, अर्थात परमेश्वर, और मनुष्य जो भलाई दिखाता है वह उस भले भण्डार से आती है जो पहले ही दिया जा चुका है

"अच्छा" — **G2570 kalos** — सामने प्रकट किया गया, देखे जाने के योग्य

लोगों द्वारा देखे गए अच्छे कामों के लिए, और उनके कारण पिता की महिमा करने के लिए

"बुरा" — **G2556 kakos** — बुरा, दुष्ट, निकम्मा, हानिकारक

बुराई के लिए सामान्य शब्द — जिसका बदला नहीं लिया जाना चाहिए, बल्कि जिसे भलाई से जीतना चाहिए

“बुरा” — **G4190 poneros** — दुष्ट, बुरा, हानिकारक — इच्छापूर्वक किया गया बुराई
दुष्ट, बुरी आँख, बुरा खजाना

“काबू करना” — **G3528 nikao** — विजय प्राप्त करना, जय पाना
पूरी चाल यहीं आकर पूरी होती है — बुराई पर भलाई से जय पाओ; जो जय पाता है, उसके लिए जीवन का वृक्ष

“वृक्ष” — **G3586 xylon** — लकड़ी, एक वृक्ष, एक लाठी
जिस वृक्ष पर उसने हमारे पापों को उठाया और जीवन का वृक्ष एक ही शब्द है

“सिद्ध करना” — **G1381 dokimazo** — धातु को आग से परखे जाने की भाँति, परखना, जाँचना
यह प्रशिक्षित बोध सब कुछ को थामे रखने से पहले परखता है

हिब्रू मुख्य शब्द

“अच्छा” — **H2896 towb** — अच्छा, सुखद, मनभावन, भला
जो कुछ भी परमेश्वर ने बनाया था, उस सब पर उसका अपना निर्णय, जो बुराई का कोई नाम होने से पहले ही बोला गया था

“बुरा” — **H7451 ra** — बुराई, बुरा, विपत्ति, दुष्टता
प्रतिबंधित वृक्ष पर सबसे पहले नामित शब्द — वह बुराई जिससे दूर रहना है

“जानना” — **H3045 yada** — जानना, समझना, विवेक करना
अच्छे और बुरे को जानना अच्छे को चुनने के समान नहीं है

“चुनना” — **H977 bachar** — चुनना, चयन करना
जीवन और भलाई तुम्हारे सामने रखी गई है — इसलिए जीवन को चुन लो

“अस्वीकार करना” — **H3988 ma'as** — अस्वीकार करना, ठुकराना, तुच्छ जानना
वह बालक जो बुराई को अस्वीकार करना और भलाई को चुनना जानता है

“प्रस्थान करना” — **H5493 sur** — मुड़ जाना, विदा हो जाना
प्रभु का भय जागृत हुआ — बुराई से हट जाओ, और भलाई करो

“सुनना” — **H8085 shama** — सुनना, ध्यान से सुनना, आज्ञा मानना
जो कोई सुनेगा वह निडर बसेगा, और बुराई के भय से निश्चिन्त रहेगा

“उपाय करना” — **H2803 chashab** — सोचना, उपाय करना, योजना बनाना
यूसुफ की कहानी के दोनों पक्षों में वही शब्द — जो हानि के लिए रचा गया था, उसे परमेश्वर ने भलाई के लिए रचा

“भय” — **H3372 yare** — डरना, भयभीत होना; आदर करना
वह प्रभु का भय जो बुराई से दूर हट जाता है, न कि वह भय जो परमेश्वर से छिप जाता है

I. रेंगना — इसे कैसे पाएँ

(मेरे व्यक्तिगत विचार — हर चाल नीचे से शुरू होती है, और यह चाल पुस्तक के आरंभ में ही शुरू होती है। बुराई का नाम लिए जाने से पहले ही, भलाई पहले से ही कही जा चुकी है — एक ही अध्याय में सात बार। समझ की शुरुआत बुराई को चखने से नहीं होती; यह उस भलाई को चखने से शुरू होती है जो परमेश्वर पहले ही दिखा चुका है। नीचे से आरंभ करो, छोटे से आरंभ करो, और आरंभ करो।)

A. उत्पत्ति 1:4 और परमेश्वर ने उजियाले को देखा कि अच्छा है; और परमेश्वर ने उजियाले को अंधियारे से अलग किया। **[H2896 towb ⚑]**
और परमेश्वर ने उजियाले को देखा कि अच्छा है → और परमेश्वर ने उजियाले को अंधियारे से अलग किया.

B. उत्पत्ति 1:31 तब परमेश्वर ने जो कुछ बनाया था, सब को देखा, तो क्या देखा, कि वह बहुत ही अच्छा है। तथा साँझ हुई फिर भोर हुआ। इस प्रकार छठवाँ दिन हो गया। (1 तीमु. 4:4) **[H2896 towb ⚑]**
परमेश्वर ने अपनी बनाई हुई सब वस्तुओं को देखा → और क्या देखा, कि वे बहुत ही अच्छी हैं।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यहीं से भलाई को खोजना आरंभ होता है: किसी पालन करने योग्य नियम से नहीं, बल्कि एक व्यक्ति के अपने निर्णय से, जो उसने अपनी बनाई हुई वस्तु के विषय में दिया। इससे पहले कि किसी व्यक्ति को कभी भलाई चुनने के लिए कहा जाए, परमेश्वर पहले ही उसे नाम दे चुका है, और भली भाँति नाम दे चुका है।)

C. भजन संहिता 34:8 चखकर देखो कि यहोवा कैसा भला है! क्या ही धन्य है वह मनुष्य जो उसकी शरण लेता है। (1 पत. 2:3) **[H2896 towb ⚑]**
चखकर देखो कि यहोवा कैसा भला है → क्या ही धन्य है वह मनुष्य जो उसकी शरण लेता है। (1 पत. 2:3.

D. भजन संहिता 119:68 तू भला है, और भला करता भी है; मुझे अपनी विधियाँ सिखा। **[H3190 yatab ⚑] [H2896 towb ⚑]**
तू भला है और भला ही करता है → मुझे अपनी विधियां सिखा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — भलाई केवल वह शब्द नहीं है जो परमेश्वर बोलता है; यह वही है जो वह है, और वही है जो वह करता है। यह चखना कि प्रभु भला है, हर उस चीज़ को परखने के एक नए तरीके की शुरुआत है जिसे भला या बुरा कहा जाता है।)

E. उत्पत्ति 3:22 फिर यहोवा परमेश्वर ने कहा, "मनुष्य भले बुरे का ज्ञान पाकर हम में से एक के समान हो गया है: इसलिए अब ऐसा न हो, कि वह हाथ बढ़ाकर जीवन के वृक्ष का फल भी तोड़कर खा ले और सदा जीवित रहे।" (प्रका. 2:7, प्रका. 22:2,14,19, उत्प. 3:24, प्रका. 2:7) **[H3045 yada ⚑]**

मनुष्य हम में से एक के समान हो गया है, कि भला-बुरा जानता है → ऐसा न हो कि वह जीवन के वृक्ष का फल भी ले।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यह है कि यह विवेक अब क्यों सीखा जाना चाहिए, न कि केवल स्वाभाविक रूप से प्राप्त होना चाहिए। मनुष्य ने परमेश्वर से अलग होकर, अपने आप से भले और बुरे के ज्ञान की ओर हाथ बढ़ाया, और जो ज्ञान उसने प्राप्त किया वह उससे कहीं अधिक था जितना वह वहन कर सकता था। उस दिन से, भले और बुरे में सही तरीके से भेद करना फिर से खोजा जाना है, माना नहीं जाना है।)

F. व्यवस्थाविवरण 30:19 मैं आज आकाश और पृथ्वी दोनों को तुम्हारे सामने इस बात की साक्षी बनाता हूँ, कि मैंने जीवन और मरण, आशीष और श्राप को तुम्हारे आगे रखा है; इसलिए तू जीवन ही को अपना ले, कि तू और तेरा वंश दोनों जीवित रहें; **[H977 bachar ⚑]**

जीवन और मृत्यु तेरे साम्हने रखे गए हैं → इसलिये जीवन को चुन ले।

G. 1 राजाओं 3:9 तू अपने दास को अपनी प्रजा का न्याय करने के लिये समझने की ऐसी शक्ति दे, कि मैं भले बुरे को परख सकूँ; क्योंकि कौन ऐसा है कि तेरी इतनी बड़ी प्रजा का न्याय कर सके?" **[H7451 ra ⚑] [H2896 towb ⚑] [H995 bin ⚑]**

एक समझदार हृदय → भले और बुरे में भेद करने के लिए।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — सुलैमान ने यह दावा नहीं किया कि उसके पास यह विवेक पहले से ही है; उसने इसे परमेश्वर से माँगा। भले और बुरे में अंतर पहचानना हर किसी के लिए उसी तरह शुरू होता है: अपने ही निर्णय पर भरोसा करने से नहीं, बल्कि एक विनती से।)

H. यशायाह 7:15 और जब तक वह बुरे को त्यागना और भले को ग्रहण करना न जाने तब तक वह मक्खन और मधु खाएगा। **[H2896 towb ⚑] [H977 bachar ⚑] [H7451 ra ⚑] [H3988 ma'as ⚑] [H3045 yada ⚑]**

बुराई को अस्वीकार करना + भलाई को चुनना जानो।

I. इब्रानियों 5:12 समय के विचार से तो तुम्हें गुरु हो जाना चाहिए था, तो भी यह आवश्यक है, कि कोई तुम्हें परमेश्वर के वचनों की आदि शिक्षा फिर से सिखाए? तुम तो ऐसे हो गए हो, कि तुम्हें अन्न के बदले अब तक दूध ही चाहिए। (13) क्योंकि दूध पीनेवाले को तो धार्मिकता के वचन की पहचान नहीं होती, क्योंकि वह बच्चा है।

तुम्हें दूध की आवश्यकता है, और नहीं कठोर आहार की → जो कोई दूध का काम रखता है वह धर्म के वचन में अनभ्यासी है, क्योंकि वह बालक है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यही हर जीवित मनुष्य का प्रारंभिक बिंदु है: दूध पीने वाला एक शिशु, भले और बुरे में भेद करने में अनाड़ी, और इसमें कोई लज्जा नहीं है। लज्जा तो केवल वहीं टिके रहने में है। समझ प्राप्त होती है, परंतु वह एक ही बार में प्राप्त नहीं होती।)

J. नीतिवचन 2:3 यदि तू प्रवीणता और समझ के लिये अति यत्न से पुकारे (4) और उसको चाँदी के समान ढूँढ़े, और गुप्त धन के समान उसकी खोज में लगा रहे; (मत्ती 13:44) (5) तो तू यहोवा के भय को समझेगा, और परमेश्वर का ज्ञान तुझे प्राप्त होगा।

ज्ञान के लिये पुकारे + उसे गुप्त धन के समान ढूंढ़े → परमेश्वर के ज्ञान को पाए।

II. चलना — इसे पाने के बाद इसका क्या करें

(मेरे व्यक्तिगत विचार — बच्चा अब अपने पैरों पर खड़ा है, और चलने का अर्थ है इस चुनाव का अभ्यास हर दिन करना, केवल एक बार नहीं। पुराना नियम इसे बुराई से इनकार करना और भलाई को चुनना कहता है, बार-बार, एक सामान्य दिन के छोटे-छोटे निर्णयों में। देखिए कि शब्दों की यही जोड़ी कितनी बार दोहराई जाती है: बुराई से दूर रहो, और भलाई करो।)

A. भजन संहिता 34:14 बुराई को छोड़ और भलाई कर; मेल को ढूँढ़ और उसी का पीछा कर। (इब्रा. 12:14) **[H2896 towb ⚑] [H7451 ra ⚑] [H5493 sur ⚑]**

बुराई से दूर हो + भला कर → मेल मिलाप को ढूंढ़, और उसका पीछा कर।

B. आमोस 5:14 हे लोगों, बुराई को नहीं, भलाई को ढूँढ़ो, ताकि तुम जीवित रहो; और तुम्हारा यह कहना सच ठहरे कि सेनाओं का परमेश्वर यहोवा तुम्हारे संग है। **[H157 ahab ⚑] [H8130 sane ⚑] [H2421 chayah ⚑] [H7451 ra ⚑] [H2896 towb ⚑] [H1875 darash ⚑]** (15) बुराई से बैर और भलाई से प्रीति रखो, और फाटक में न्याय को स्थिर करो; क्या जाने सेनाओं का परमेश्वर यहोवा यूसुफ के बचे हुओं पर अनुग्रह करे। (रोम. 12:9)

भलाई को ढूंढ़ो, बुराई को नहीं → बुराई से बैर रखो, और भलाई से प्रेम रखो।

C. नीतिवचन 3:7 अपनी दृष्टि में बुद्धिमान न होना; यहोवा का भय मानना, और बुराई से अलग रहना। (रोम. 12:16) **[H7451 ra ⚑] [H5493 sur ⚑] [H3372 yare ⚑] [H2450 chakam ⚑]**

अपनी दृष्टि में बुद्धिमान न बन → यहोवा का भय मान + बुराई से दूर हो जा।

D. नीतिवचन 8:13 यहोवा का भय मानना बुराई से बैर रखना है। घमण्ड और अहंकार, बुरी चाल से, और उलट-फेर की बात से मैं बैर रखती हूँ। **[H7451 ra ⚑] [H8130 sane ⚑]**

यहोवा का भय = बुराई से बैर रखना।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — भलाई में चलना कोई एक निर्णय नहीं है; यह यहोवा का भय है जो दिन-प्रतिदिन, साधारण स्थानों में, वही बातों से घृणा करते रहने देता है: अभिमान, घमंडी चालढाल, अहंकारी मुँह। चलने में कुछ भी नाटकीय नहीं है। यह तो बनाए रखी गई एक दिशा है।)

E. अय्यूब 28:28 तब उसने मनुष्य से कहा, 'देख, प्रभु का भय मानना यही बुद्धि है और बुराई से दूर रहना यही समझ है।'" (व्यव. 4:6) **[H998 binah ⚑] [H7451 ra ⚑] [H5493 sur ⚑]**

यहोवा का भय = बुद्धि + बुराई से दूर रहना = समझ।

F. यशायाह 1:16 अपने को धोकर पवित्र करो: मेरी आँखों के सामने से अपने बुरे कामों को दूर करो; भविष्य में बुराई करना छोड़ दो, (1 पत. 2:1, याकू. 4:8) **[H3190 yatab ⚑] [H3925 lamad ⚑] [H2308 chadal ⚑] [H7451 ra ⚑]** (17) भलाई करना सीखो; यत्न से न्याय करो, उपद्रवी को सुधारो; अनाथ का न्याय चुकाओ, विधवा का मुकद्दमा लड़ो।"

अपने आप को धो, अपने आप को शुद्ध कर → बुराई करना छोड़ + भलाई करना सीख।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — क्रम पर ध्यान दीजिए: पहले धोना, फिर छोड़ना, फिर सीखना। चलना केवल बुराई को रोकना नहीं है; यह अच्छी आदतों के एक नए समूह को सीखना है — पीड़ितों के लिए न्याय, अनाथों और विधवाओं की देखभाल। चलने के हाथ और पैर होते हैं, केवल एक स्वच्छ अंतःकरण नहीं।)

G. नीतिवचन 17:13 जो कोई भलाई के बदले में बुराई करे, उसके घर से बुराई दूर न होगी। **[H2896 towb ⚑] [H7451 ra ⚑]**

जो कोई भलाई के बदले में बुराई करे → उसके घर से बुराई दूर न होगी.

H. 1 थिस्सलुनीकियों 5:21 सब बातों को परखो जो अच्छी है उसे पकड़े रहो। **[G4190 poneros ⚑] [G1491 eidos ⚑] [G567 apecho ⚑] [G2570 kalos ⚑] [G2722 katecho ⚑] [G1381 dokimazo ⚑]** (22) सब प्रकार की बुराई से बचे रहो। (फिलि. 4:8)

सब बातों को परखो → जो अच्छा है उसे पकड़े रहो + हर प्रकार की बुराई से दूर रहो।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — "प्रमाणित करना" डोकिमाज़ो है (G1381, प्रमाणित करना), किसी वस्तु को उसी प्रकार परखना जैसे धातु को आग से परखा जाता है। भलाई में चलना एक प्रतिदिन की परीक्षा है, न कि एक ही निर्णय: उसे परखो, फिर उसे थामे रहो, फिर उससे भी दूर रहो जो केवल बुराई जैसा दिखता है।)

I. मत्ती 5:16 उसी प्रकार तुम्हारा उजियाला मनुष्यों के सामने चमके कि वे तुम्हारे भले कामों को देखकर तुम्हारे पिता की, जो स्वर्ग में हैं, बड़ाई करें। **[G2041 ergon ⚑] [G2570 kalos ⚑]**

तुम्हारा उजियाला ऐसा चमके → वे तुम्हारे भले कामों को देखें + तुम्हारे पिता की महिमा करें।

J. गलातियों 6:9 हम भले काम करने में साहस न छोड़ें, क्योंकि यदि हम ढीले न हों, तो ठीक समय पर कटनी काटेंगे। **[G18 agathos ⚑] [G2570 kalos ⚑]** (10) इसलिए जहाँ तक अवसर मिले हम सब के साथ भलाई करें; विशेष करके विश्वासी भाइयों के साथ।

भले काम करने में हम ढीले न हों → इसलिये जैसा हमें अवसर मिले हम सब मनुष्यों के साथ भलाई करें।

K. रोमियों 2:7 जो सुकर्म में स्थिर रहकर महिमा, और आदर, और अमरता की खोज में हैं, उन्हें वह अनन्त जीवन देगा; **[G18 agathos ⚑] [G2556 kakos ⚑] [G18 agathos ⚑]** (8) पर जो स्वार्थी हैं और सत्य को नहीं मानते, वरन् अधर्म को मानते हैं, उन पर क्रोध और कोप पड़ेगा। (9) और क्लेश और संकट हर एक मनुष्य के प्राण पर जो बुरा करता है आएगा, पहले यहूदी पर फिर यूनानी पर; (10) परन्तु महिमा और आदर और कल्याण हर एक को मिलेगा, जो भला करता है, पहले यहूदी को फिर यूनानी को।

भले काम में धीरज धरकर लगे रहना → हर एक भला काम करनेवाले के लिये महिमा, आदर और शान्ति।

L. मत्ती 19:17 उसने उससे कहा, "तू मुझसे भलाई के विषय में क्यों पूछता है? भला तो एक ही है; पर यदि तू जीवन में प्रवेश करना चाहता है, तो आज्ञाओं को माना कर।" **[G18 agathos ⚑]**

केवल एक ही भला है = परमेश्वर।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — भलाई में चलना कभी भी यह सोचने में नहीं बदलता कि व्यक्ति स्वयं उसका स्रोत बन गया है। कोई भी भला नहीं है, केवल एक ही है, स्वयं परमेश्वर। व्यक्ति जिसमें चलता है, वह पहले किसी अन्य व्यक्ति ने दिया था।)

M. लूका 6:45 भला मनुष्य अपने मन के भले भण्डार से भली बातें निकालता है; और बुरा मनुष्य अपने मन के बुरे भण्डार से बुरी बातें निकालता है; क्योंकि जो मन में भरा है वही उसके मुँह पर आता है। **[G4190 poneros ⚑] [G2344 thesauros ⚑] [G18 agathos ⚑]**

अपने मन के अच्छे भण्डार में से → वह जो अच्छा है + क्योंकि मन की भरपूरी में से मुख बोलता है।

N. रोमियों 7:19 क्योंकि जिस अच्छे काम की मैं इच्छा करता हूँ, वह तो नहीं करता, परन्तु जिस बुराई की इच्छा नहीं करता, वही किया करता हूँ। **[G2556 kakos ⚑] [G2570 kalos ⚑] [G2556 kakos ⚑] [G18 agathos ⚑]** (20) परन्तु यदि मैं वही करता हूँ जिसकी इच्छा नहीं करता, तो उसका करनेवाला मैं न रहा, परन्तु पाप जो मुझ में बसा हुआ है। (21) तो मैं यह व्यवस्था पाता हूँ कि जब भलाई करने की इच्छा करता हूँ, तो बुराई मेरे पास आती है।

क्योंकि जिस अच्छे काम की मैं इच्छा करता हूँ + तो मैं यह व्यवस्था पाता हूँ कि जब भलाई करने की इच्छा करता हूँ, तो बुराई मेरे पास आती है.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — चलना हमेशा सहज नहीं होता, उस व्यक्ति के लिए भी नहीं जो सच में भला करना चाहता है। पौलुस अपने भीतर इसी संघर्ष को स्वीकार करता है। यह चाल उस संघर्ष को नकारती नहीं है; वह उसके बावजूद भलाई को चुनती रहती है।)

O. नीतिवचन 1:33 परन्तु जो मेरी सुनेगा, वह निडर बसा रहेगा, और विपत्ति से निश्चिन्त होकर सुख से रहेगा।" **[H7451 ra ⚑] [H8085 shama ⚑]**

जो कोई सुनता है = निडर सुरक्षित रहता है + बुराई के भय से शांति में रहता है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यह वह प्रतिज्ञा है जो हर उस व्यक्ति के लिए रखी गई है जो इस मार्ग पर चलता रहता है: एक स्थिर जीवन, सुरक्षित, और उस भय से भी शांत, जो सबसे पहले बगीचे में मानव हृदय में प्रवेश किया था।)

III. दौड़ में दौड़ना — परमेश्वर की सेना के सैनिक के समान समर्पित करो

(मेरे व्यक्तिगत विचार — अब यह चाल एक युद्ध बन जाती है, और बुराई अब केवल एक हृदय के भीतर का विकल्प नहीं रह जाती; उसके विरुद्ध एक इच्छा और एक नाम है — वह दुष्ट। एक सिपाही किसी विचार से नहीं लड़ता; वह एक शत्रु से लड़ता है। अपने पूरे स्वयं को परमेश्वर के हवाले कर दो, और भलाई को हथियार बनने दो।)

A. रोमियों 6:13 और न अपने अंगों को अधर्म के हथियार होने के लिये पाप को सौंपो, पर अपने आपको मरे हुओं में से जी उठा हुआ जानकर परमेश्वर को सौंपो, और अपने अंगों को धार्मिकता के हथियार होने के लिये परमेश्वर को सौंपो। **[G3936 paristemi ⚑]**

अपने आप को परमेश्वर के लिए समर्पित करो + अपने अंगों को धार्मिकता के हथियार के रूप में परमेश्वर के लिए समर्पित करो।

B. मत्ती 6:13 'और हमें परीक्षा में न ला, परन्तु बुराई से बचा; [क्योंकि राज्य और पराक्रम और महिमा सदा तेरे ही हैं।' आमीन।] **[G4190 poneros ⚑] [G4506 rhuomai ⚑]**

हमें प्रलोभन में न ला → परन्तु बुराई से बचा।

C. यूहन्ना 17:15 मैं यह विनती नहीं करता, कि तू उन्हें जगत से उठा ले, परन्तु यह कि तू उन्हें उस दुष्ट से बचाए रख। **[G4190 poneros ⚑]**

दुनिया से बाहर नहीं → उन्हें बुराई से बचाए रख।

D. 1 यूहन्ना 5:19 हम जानते हैं, कि हम परमेश्वर से हैं, और सारा संसार उस दुष्ट के वश में पड़ा है। **[G4190 poneros ⚑]**

हम परमेश्वर की ओर से हैं + सारा संसार उस दुष्ट के वश में पड़ा है।

E. मत्ती 13:19 जो कोई राज्य का वचन सुनकर नहीं समझता, उसके मन में जो कुछ बोया गया था, उसे वह दुष्ट आकर छीन ले जाता है; यह वही है, जो मार्ग के किनारे बोया गया था। **[G4190 poneros ⚑] [G2570 kalos ⚑] [G4190 poneros ⚑]** (20) और जो पत्थरीली भूमि पर बोया गया, यह वह है, जो वचन सुनकर तुरन्त आनन्द के साथ मान लेता है। (21) पर अपने में जड़ न रखने के कारण वह थोड़े ही दिन रह पाता है, और जब वचन के कारण क्लेश या उत्पीड़न होता है, तो तुरन्त ठोकर खाता है। (22) जो झाड़ियों में बोया गया, यह वह है, जो वचन को सुनता है, पर इस संसार की चिन्ता और धन का धोखा वचन को दबाता है, और वह फल नहीं लाता। (23) जो अच्छी भूमि में बोया गया, यह वह है, जो वचन को सुनकर समझता है, और फल लाता है कोई सौ गुना, कोई साठ गुना, कोई तीस गुना।" (24) यीशु ने उन्हें एक और दृष्टान्त दिया, "स्वर्ग का राज्य उस मनुष्य के समान है जिसने अपने खेत में अच्छा बीज बोया। (25) पर जब लोग सो रहे थे तो उसका बैरी आकर गेहूँ के बीच जंगली बीज बोकर चला गया। (26) जब अंकुर निकले और बालें लगी, तो जंगली दाने के पौधे भी दिखाई दिए। (27) इस पर गृहस्थ के दासों ने आकर उससे कहा, 'हे स्वामी, क्या तूने अपने खेत में अच्छा बीज न बोया था? फिर जंगली दाने के पौधे उसमें कहाँ से आए?' (28) उसने उनसे कहा, 'यह किसी शत्रु का काम है।' दासों ने उससे कहा, 'क्या तेरी इच्छा है, कि हम जाकर उनको बटोर लें?' (29) उसने कहा, 'नहीं, ऐसा न हो कि जंगली दाने के पौधे बटोरते हुए तुम उनके साथ गेहूँ भी उखाड़ लो। (30) कटनी तक दोनों को एक साथ बढ़ने दो, और कटनी के समय मैं काटनेवालों से कहूँगा; पहले जंगली दाने के पौधे बटोरकर जलाने के लिये उनके गट्ठे बाँध लो, और गेहूँ को मेरे खत्ते में इकट्ठा करो।'" (31) उसने उन्हें एक और दृष्टान्त दिया, "स्वर्ग का राज्य राई के एक दाने के समान है, जिसे किसी मनुष्य ने लेकर अपने खेत में बो दिया। (32) वह सब बीजों से छोटा तो है पर जब बढ़ जाता है तब सब साग-पात से बड़ा होता है; और ऐसा पेड़ हो जाता है, कि आकाश के पक्षी आकर उसकी डालियों पर बसेरा करते हैं।" (33) उसने एक और दृष्टान्त उन्हें सुनाया, "स्वर्ग का राज्य ख़मीर के समान है जिसको किसी स्त्री ने लेकर तीन पसेरी आटे में मिला दिया और होते-होते वह सब ख़मीर हो गया।" (34) ये सब बातें यीशु ने दृष्टान्तों में लोगों से कहीं, और बिना दृष्टान्त वह उनसे कुछ न कहता था। (35) कि जो वचन भविष्यद्वक्ता के द्वारा कहा गया था, वह पूरा हो: "मैं दृष्टान्त कहने को अपना मुँह खोलूँगा मैं उन बातों को जो जगत की उत्पत्ति से गुप्त रही हैं प्रगट करूँगा।" (36) तब वह भीड़ को छोड़कर घर में आया, और उसके चेलों ने उसके पास आकर कहा, "खेत के जंगली दाने का दृष्टान्त हमें समझा दे।" (37) उसने उनको उत्तर दिया, "अच्छे बीज का बोनेवाला मनुष्य का पुत्र है। (38) खेत संसार है, अच्छा बीज राज्य के सन्तान, और जंगली बीज दुष्ट के सन्तान हैं।

तब वह दुष्ट आता है → अच्छा बीज = राज्य की सन्तान + जंगली दाने = उस दुष्ट की सन्तान।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — इस युद्ध में शत्रु का एक नाम और एक रणनीति है: वह दुष्ट, पोनेरोस (G4190, बुरा, जिसमें एक इच्छा निहित है)। वह केवल परीक्षा ही नहीं लेता; वह छीन लेता है, और उसी खेत में नकली बीज बो देता है जहाँ अच्छा बीज उगता है। यह दौड़ दौड़ने का अर्थ है अपने ही हृदय से बढ़कर और भी बातों के प्रति सजग रहना।)

F. मत्ती 6:22 "शरीर का दीया आँख है: इसलिए यदि तेरी आँख अच्छी हो, तो तेरा सारा शरीर भी उजियाला होगा। **[G4190 poneros ⚑] [G573 haplous ⚑]** (23) परन्तु यदि तेरी आँख बुरी हो, तो तेरा सारा शरीर भी अंधियारा होगा; इस कारण वह उजियाला जो तुझ में है यदि अंधकार हो तो वह अंधकार कैसा बड़ा होगा!

तेरी आँख निर्मल → तेरी सारी देह उजियाले से भरी होगी + तेरी आँख बुरी → अन्धकार से भरी होगी।

G. मत्ती 12:35 भला मनुष्य मन के भले भण्डार से भली बातें निकालता है; और बुरा मनुष्य बुरे भण्डार से बुरी बातें निकालता है। **[G4190 poneros ⚑] [G2344 thesauros ⚑] [G18 agathos ⚑]**

एक भला मनुष्य अपने मन के भले भण्डार से भली वस्तुएं → उत्पन्न करता है + एक बुरा मनुष्य अपने बुरे भण्डार से बुरी वस्तुएं → उत्पन्न करता है।

H. इफिसियों 6:16 और उन सब के साथ विश्वास को ढाल लेकर स्थिर रहो जिससे तुम उस दुष्ट के सब जलते हुए तीरों को बुझा सको। **[G4190 poneros ⚑]**

विश्वास की ढाल → दुष्ट के सारे जलते हुए तीरों को बुझा देना।

I. 1 यूहन्ना 2:14 हे पिताओं, मैंने तुम्हें इसलिए लिखा है, कि जो आदि से है तुम उसे जान गए हो। हे जवानों, मैंने तुम्हें इसलिए लिखा है, कि तुम बलवन्त हो, और परमेश्वर का वचन तुम में बना रहता है, और तुम ने उस दुष्ट पर जय पाई है। **[G4190 poneros ⚑] [G3528 nikao ⚑]**

कि तुम बलवन्त हो + और परमेश्वर का वचन तुम में बना रहता है → और तुम ने उस दुष्ट पर जय पाई है.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — ढाल और वचन दोनों दो अलग दिशाओं से एक ही काम करते हैं: ढाल उस चीज़ को रोकती है जो तुम पर फेंकी जाती है, और तुम्हारे भीतर बना रहने वाला वचन ही वह चीज़ है जो एक व्यक्ति को इस ढाल को थामने के लिए पहले से पर्याप्त रूप से मजबूत बनाता है। इस युद्ध में इनमें से कोई भी वैकल्पिक नहीं है।)

J. प्रेरितों के काम 10:38 परमेश्वर ने किस रीति से यीशु नासरी को पवित्र आत्मा और सामर्थ्य से अभिषेक किया; वह भलाई करता, और सब को जो शैतान के सताए हुए थे, अच्छा करता फिरा, क्योंकि परमेश्वर उसके साथ था। (यशा. 61:1) **[G3586 xylon ⚑] [G1228 diabolos ⚑] [G2616 katadynasteuo ⚑] [G2390 iaomai ⚑] [G2109 euergeteo ⚑]** (39) और हम उन सब कामों के गवाह हैं; जो उसने यहूदिया के देश और यरूशलेम में भी किए, और उन्होंने उसे काठ पर लटकाकर मार डाला। (व्यव. 21:22,23)

भला करता, और सब को जो शैतान के सताए हुए थे, चंगा करता फिरा → जिसे उन्होंने मार डाला, और काठ पर लटका दिया।

K. लूका 23:41 और हम तो न्यायानुसार दण्ड पा रहे हैं, क्योंकि हम अपने कामों का ठीक फल पा रहे हैं; पर इसने कोई अनुचित काम नहीं किया।" **[G824 atopos ⚑]**

हम तो सचमुच न्यायपूर्वक + इस मनुष्य ने कुछ भी अनुचित नहीं किया है।

L. 1 पतरस 2:23 वह गाली सुनकर गाली नहीं देता था, और दुःख उठाकर किसी को भी धमकी नहीं देता था, पर अपने आपको सच्चे न्यायी के हाथ में सौंपता था। (यशा. 53:7, 1 पत. 4:19)

वह गाली सुनकर गाली नहीं देता था → पर अपने आपको सच्चे न्यायी के हाथ में सौंपता था। (यशा. 53:7, 1 पत. 4:19.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — जब संघर्ष व्यक्तिगत हो जाता है तो दौड़ को दौड़ना ऐसा ही दिखता है: कमज़ोरी के कारण चुप रहना नहीं, बल्कि पूरे मामले को उस पर सौंप देना जो सही न्याय करता है। यह समर्पण नहीं, बल्कि सैनिकत्व है।)

M. मत्ती 5:44 परन्तु मैं तुम से यह कहता हूँ, कि अपने बैरियों से प्रेम रखो और अपने सतानेवालों के लिये प्रार्थना करो। (रोम. 12:14) **[G18 agathos ⚑] [G4190 poneros ⚑] [G2570 kalos ⚑]** (45) जिससे तुम अपने स्वर्गीय पिता की सन्तान ठहरोगे क्योंकि वह भलों और बुरों दोनों पर अपना सूर्य उदय करता है, और धर्मी और अधर्मी पर मेंह बरसाता है।

अपने शत्रुओं से प्रेम रखो + जो तुमसे बैर रखते हैं उनका भला करो → वह अपने सूर्य को बुरे और भले दोनों पर उदय कराता है।

N. 1 पतरस 3:9 बुराई के बदले बुराई मत करो और न गाली के बदले गाली दो; पर इसके विपरीत आशीष ही दो: क्योंकि तुम आशीष के वारिस होने के लिये बुलाए गए हो। **[G2556 kakos ⚑] [G18 agathos ⚑] [G2556 kakos ⚑]** (10) क्योंकि "जो कोई जीवन की इच्छा रखता है, और अच्छे दिन देखना चाहता है, वह अपनी जीभ को बुराई से, और अपने होठों को छल की बातें करने से रोके रहे।

बुराई के बदले बुराई न करना → इसके विपरीत आशीष देना → जीवन से प्रेम करना और अच्छे दिन देखना।

O. उत्पत्ति 50:20 यद्यपि तुम लोगों ने मेरे लिये बुराई का विचार किया था; परन्तु परमेश्वर ने उसी बात में भलाई का विचार किया, जिससे वह ऐसा करे, जैसा आज के दिन प्रगट है, कि बहुत से लोगों के प्राण बचे हैं। **[H2896 towb ⚑] [H2803 chashab ⚑] [H7451 ra ⚑] [H2803 chashab ⚑]**

तुमने मेरे विरुद्ध बुराई सोची + परमेश्वर ने उसे भलाई में बदल दिया → बहुत लोगों को जीवित रखने के लिये।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — chashab (H2803, सोचना, गढ़ना) इस पद के दोनों पक्षों में बिल्कुल वही शब्द है: जो उन्होंने गढ़ा, वही परमेश्वर ने गढ़ा। इस दौड़ को अच्छी तरह दौड़ने का अर्थ यह नहीं है कि बुराई कभी आप पर न फेंकी जाए। इसका अर्थ है यह भरोसा करना कि वही परमेश्वर, जिसने यूसुफ के भाइयों को ऐसा करने दिया, उस बुराई को भी बदलकर अनेक लोगों के जीवन बचा सकता है।)

P. रोमियों 8:28 और हम जानते हैं, कि जो लोग परमेश्वर से प्रेम रखते हैं, उनके लिये सब बातें मिलकर भलाई ही को उत्पन्न करती हैं; अर्थात् उन्हीं के लिये जो उसकी इच्छा के अनुसार बुलाए हुए हैं। **[G18 agathos ⚑]**

जो परमेश्वर से प्रेम रखते हैं, उनके लिये सब बातें मिलकर भलाई ही उत्पन्न करती हैं।

Q. रोमियों 12:21 बुराई से न हारो परन्तु भलाई से बुराई को जीत लो। **[G18 agathos ⚑] [G3528 nikao ⚑] [G2556 kakos ⚑] [G3528 nikao ⚑]**

बुराई से न हार → भलाई से बुराई पर जय पा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यही वह एक आज्ञा है जो पूरी दौड़ को समेट देती है: केवल बुराई से बच निकलना नहीं, बल्कि उस पर विजय पाना, और जिस हथियार का नाम लिया गया है वह है भलाई। नीकाओ (G3528, overcome) एक सैनिक का शब्द है — विजय पाना, मैदान जीत लेना। इस युद्ध में भलाई निष्क्रिय नहीं है। वह आक्रमण करती है।)

IV. फिनिश लाइन — भलाई और बुराई, और वचन सर्वदा बना रहता है

(मेरे व्यक्तिगत विचार — हर दौड़ का अंत होता है, और यह दौड़ केवल किसी कब्र पर समाप्त नहीं होती, न ही केवल न्याय पर। यह एक वृक्ष पर समाप्त होती है, जो खुला हुआ खड़ा है, और एक ऐसी प्रतिज्ञा पर जो कभी मलिन नहीं होती। जो विजयी होता है, वह उसमें से खाता है।)

A. 1 यूहन्ना 3:8 जो कोई पाप करता है, वह शैतान की ओर से है, क्योंकि शैतान आरम्भ ही से पाप करता आया है। परमेश्वर का पुत्र इसलिए प्रगट हुआ, कि शैतान के कामों को नाश करे। **[G1228 diabolos ⚑] [G3089 luo ⚑]**

परमेश्वर का पुत्र इसलिये प्रगट हुआ → कि शैतान के कामों को नाश करे।

B. 2 तीमुथियुस 3:12 पर जितने मसीह यीशु में भक्ति के साथ जीवन बिताना चाहते हैं वे सब सताए जाएँगे।

जो कोई मसीह यीशु में भक्ति से जीवन बिताना चाहता है → वह सताया जाएगा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — अंतिम रेखा यह दिखावा नहीं करती कि दौड़ आसान थी। एक ऐसे संसार में भलाई करना जो अब भी बुराई करने में सक्षम है, वास्तविक मूल्य चुकाता है। यह वचन यहाँ इसलिए रखा गया है ताकि अंत को कभी भी ऐसे न पढ़ा जाए मानो इस संघर्ष का कोई मूल्य ही न चुकाया गया हो।)

C. 1 पतरस 2:24 वह आप ही हमारे पापों को अपनी देह पर लिए हुए क्रूस पर चढ़ गया, जिससे हम पापों के लिये मर करके धार्मिकता के लिये जीवन बिताएँ। उसी के मार खाने से तुम चंगे हुए। (यशा. 53:4-5,12, गला. 3:13) **[G3586 xylon ⚑] [G399 anaphero ⚑]**

उसने आप ही हमारे पापों को अपनी देह में लिये हुए काठ पर उठा लिया → कि हम पापों की ओर से मरकर धार्मिकता के लिये जीएं।

D. प्रकाशितवाक्य 2:10 जो दुःख तुझको झेलने होंगे, उनसे मत डर: क्योंकि, शैतान तुम में से कुछ को जेलखाने में डालने पर है ताकि तुम परखे जाओ; और तुम्हें दस दिन तक क्लेश उठाना होगा। प्राण देने तक विश्वासयोग्य रह; तो मैं तुझे जीवन का मुकुट दूँगा। (याकू. 1:12) **[G4735 stephanos ⚑]**

मृत्यु पर्यन्त विश्वासयोग्य बना रह → मैं तुझे जीवन का मुकुट दूंगा।

E. भजन संहिता 119:160 तेरा सारा वचन सत्य ही है; और तेरा एक-एक धर्ममय नियम सदाकाल तक अटल है। **[H5975 amad ⚑]**

तेरा सारा वचन सत्य ही है → और तेरा एक-एक धर्ममय नियम सदाकाल तक अटल है.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — भला और बुरा पुस्तक के आरम्भ में ही नामित किए गए थे, और यह पद कहता है कि जिस वचन ने उन्हें नामित किया, वह आरम्भ से सत्य है, और उसके निर्णय समाप्त नहीं होते। जो कुछ परमेश्वर ने उत्पत्ति 1 में भला कहा, उसे वह अब भी भला ही कहता है।)

F. प्रकाशितवाक्य 2:7 जिसके कान हों, वह सुन ले कि पवित्र आत्मा कलीसियाओं से क्या कहता है: जो जय पाए, मैं उसे उस जीवन के पेड़ में से जो परमेश्वर के स्वर्गलोक में है, फल खाने को दूँगा। (प्रका. 2:11) **[G3857 paradeisos ⚑] [G2222 zoe ⚑] [G3586 xylon ⚑] [G5315 phago ⚑] [G3528 nikao ⚑]**

जो जय पाए → उसे मैं परमेश्वर के स्वर्गलोक के बीच में जीवन के वृक्ष का फल खाने का अधिकार दूंगा।

G. प्रकाशितवाक्य 21:4 और वह उनकी आँखों से सब आँसू पोंछ डालेगा; और इसके बाद मृत्यु न रहेगी, और न शोक, न विलाप, न पीड़ा रहेगी; पहली बातें जाती रहीं।" (यशा. 25:8) **[G2288 thanatos ⚑]**

न मृत्यु और न शोक होगा → पहिली बातें बीत गईं।

H. प्रकाशितवाक्य 21:7 जो जय पाए, वही उन वस्तुओं का वारिस होगा; और मैं उसका परमेश्वर होऊँगा, और वह मेरा पुत्र होगा। **[G3528 nikao ⚑]**

जो जय पाए वह सब वस्तुओं का अधिकारी होगा + मैं उसका परमेश्वर हूंगा।

I. प्रकाशितवाक्य 22:1 फिर उसने मुझे बिल्लौर के समान झलकती हुई, जीवन के जल की एक नदी दिखाई, जो परमेश्वर और मेम्ने के सिंहासन से निकलकर **[G2652 katanathema ⚑] [G1484 ethnos ⚑] [G2322 therapeia ⚑] [G3586 xylon ⚑] [G2222 zoe ⚑] [G4215 potamos ⚑]** (2) उस नगर की सड़क के बीचों बीच बहती थी। नदी के इस पार और उस पार जीवन का पेड़ था; उसमें बारह प्रकार के फल लगते थे, और वह हर महीने फलता था; और उस पेड़ के पत्तों से जाति-जाति के लोग चंगे होते थे। (यहे. 47:7) (3) फिर श्राप न होगा, और परमेश्वर और मेम्ने का सिंहासन उस नगर में होगा, और उसके दास उसकी सेवा करेंगे। (जक. 14:11)

जीवन के जल की एक शुद्ध नदी + जीवन का वृक्ष, जाति-जाति के लोगों के आरोग्य के लिये पत्ते → फिर कोई श्राप नहीं।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — जो एक वृक्ष पर उत्पत्ति में बंद हुआ था, वह यहाँ दूसरे वृक्ष पर खोला गया है, और अंतर पूर्ण है: अब और कोई श्राप नहीं। इस पूरे अध्ययन की अंतिम रेखा कोई ऐसा स्थान नहीं है जहाँ बुराई को केवल संभाला जाता है। यह वह स्थान है जहाँ बुराई अंततः, पूरी तरह से समाप्त हो चुकी है।)

J. प्रकाशितवाक्य 22:14 "धन्य वे हैं, जो अपने वस्त्र धो लेते हैं, क्योंकि उन्हें जीवन के पेड़ के पास आने का अधिकार मिलेगा, और वे फाटकों से होकर नगर में प्रवेश करेंगे। **[G3586 xylon ⚑]**

धन्य हैं वे जो उसकी आज्ञाओं को मानते हैं → जीवन के वृक्ष का अधिकार + द्वारों से होकर नगर में प्रवेश।

K. भजन संहिता 23:6 निश्चय भलाई और करुणा जीवन भर मेरे साथ-साथ बनी रहेंगी; और मैं यहोवा के धाम में सर्वदा वास करूँगा। **[H2896 towb ⚑]**

भलाई और दया मेरे पीछे-पीछे लगी रहेंगी → मैं यहोवा के भवन में सदा वास करूंगा।

L. याकूब 1:17 क्योंकि हर एक अच्छा वरदान और हर एक उत्तम दान ऊपर ही से है, और ज्योतियों के पिता की ओर से मिलता है, जिसमें न तो कोई परिवर्तन हो सकता है, और न ही वह परछाई के समान बदलता है। **[G18 agathos ⚑]**

प्रत्येक अच्छा वरदान और प्रत्येक सिद्ध दान = ऊपर से, ज्योतियों के पिता की ओर से आता है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यह पूरी यात्रा परमेश्वर की अपनी भलाई से आरम्भ हुई — उसने देखा कि वह भला है — और यह उसी प्रकार समाप्त होती है: हर उत्तम वरदान ऊपर से, ज्योतियों के पिता की ओर से उतरता है, जो अपरिवर्तनीय है। भलाई आरम्भ से ही उसकी थी, और वह बिना अंत के उसकी है।)

दो के मुख से — बुराई से घृणा करो, भलाई से प्रेम करो

भजन संहिता 97:10 हे यहोवा के प्रेमियों, बुराई से घृणा करो; वह अपने भक्तों के प्राणों की रक्षा करता, और उन्हें दुष्टों के हाथ से बचाता है। **[H8104 shamar ⚑] [H7451 ra ⚑] [H8130 sane ⚑] [H157 ahab ⚑]**

हे यहोवा के प्रेमियों, बुराई से घृणा करो → वह अपने भक्तों के प्राणों की रक्षा करता है।

रोमियों 12:9 प्रेम निष्कपट हो; बुराई से घृणा करो; भलाई में लगे रहो। (आमो. 5:15) **[G18 agathos ⚑] [G2853 kollao ⚑] [G4190 poneros ⚑] [G655 apostygeo ⚑] [G505 anypokritos ⚑] [G26 agape ⚑]**

जो बुरा है उससे घृणा करो + जो भला है उससे लिपटे रहो।

2 कुरिन्थियों 13:1 अब तीसरी बार तुम्हारे पास आता हूँ: दो या तीन गवाहों के मुँह से हर एक बात ठहराई जाएगी। (व्यव. 19:15) **[G3144 martus ⚑]**

दो या तीन गवाहों के मुँह से हर एक बात ठहराई जाएगी। (व्यव. 19:15.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — एक भजन और एक पत्री, एक पुरानी वाचा और एक नई, और उनके बीच एक ही स्वर: जो बुरा है उससे घृणा करो, और जो भला है उसे दृढ़ता से पकड़े रहो। दो या तीन गवाहों के मुख से, यह वचन बिना किसी संदेह के स्थिर हो जाता है।)

छाया और पूर्णता

Shadow व्यवस्थाविवरण 21:22 "फिर यदि किसी से प्राणदण्ड के योग्य कोई पाप हुआ हो जिससे वह मार डाला जाए, और तू उसके शव को वृक्ष पर लटका दे **[H7045 qelalah ⚑] [H6086 ets ⚑]** (23) तो वह शव रात को वृक्ष पर टँगा न रहे, अवश्य उसी दिन उसे मिट्टी देना, क्योंकि जो लटकाया गया हो वह परमेश्वर की ओर से श्रापित ठहरता है; इसलिए जो देश तेरा परमेश्वर यहोवा तेरा भाग करके देता है उस भूमि को अशुद्ध न करना। (मत्ती 27:57,58, प्रेरि. 5:30)

जो वृक्ष पर लटकाया जाता है, वह परमेश्वर की ओर से शापित है।

Fulfillment गलातियों 3:13 मसीह ने जो हमारे लिये श्रापित बना, हमें मोल लेकर व्यवस्था के श्राप से छुड़ाया क्योंकि लिखा है, "जो कोई काठ पर लटकाया जाता है वह श्रापित है।" (व्यव. 21:23) **[G3586 xylon ⚑] [G2671 katara ⚑]**

मसीह ने हमें छुड़ाया → हमारे लिये श्राप बना → श्रापित है वह जो काठ पर लटकाया जाता है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — व्यवस्था ने उस वृक्ष को शाप का स्थान कहा। मसीह ने उस वृक्ष से बचाव नहीं किया; वह उस पर लटकाया गया, और स्वयं शाप बन गया, ताकि शाप वहीं समाप्त हो जाए और आगे न फैले। जो वृक्ष कभी केवल दंड का प्रतीक था, वह उसमें जीवन के वृक्ष का द्वार बन गया।)

समापन

1 यूहन्ना 2:17 संसार और उसकी अभिलाषाएँ दोनों मिटते जाते हैं, पर जो परमेश्वर की इच्छा पर चलता है, वह सर्वदा बना रहेगा।

संसार मिटता जाता है → जो परमेश्वर की इच्छा पर चलता है वह सर्वदा ठहरता है।

रोमियों 16:20 शान्ति का परमेश्वर शैतान को तुम्हारे पाँवों के नीचे शीघ्र कुचल देगा। हमारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह तुम पर होता रहे। (उत्प. 3:15)

शान्ति का परमेश्वर शैतान को तुम्हारे पाँवों के नीचे शीघ्र कुचल देगा → हमारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह तुम पर होता रहे। (उत्प. 3:15.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — पूरी यात्रा को एक पंक्ति में समेटना। यह नीचे से आरंभ हुई: परमेश्वर की अपनी भलाई, जो सृष्टि पर बोली गई इससे पहले कि बुराई का कोई नाम भी हो, और एक हृदय जिसे सीखना था, और माँगना था, और चुनना था। यह एक दैनिक चाल में बढ़ गई: बुराई से दूर रहना, भलाई करना, और उसमें लगे रहना, साधारण स्थानों में, दिन-प्रतिदिन। यह एक दौड़ और एक युद्ध बन गई: एक सच्चे दुष्ट का सामना करना, एक ढाल उठाना, और उससे भी कठिन आज्ञा — बुराई का उत्तर भलाई से देना, न कि और अधिक बुराई से। और यह वहीं समाप्त होती है जहाँ हर घुटनों के बल चलना, हर चाल, और हर दौड़ सदा जा रही थी — एक वृक्ष के पास, खुला हुआ खड़ा, जहाँ कोई शाप शेष नहीं, हर उस व्यक्ति के लिए जो विजयी होता है। संसार और उसकी बुराई मिटती जा रही है। जो परमेश्वर की इच्छा पूरी करने पर बना है, वह उसके साथ नहीं मिटता।)

अभ्यास प्रश्नोत्तरी

1. उत्पत्ति 1:31 — और परमेश्वर ने अपने बनाए हुए सब कुछ को देखा, और देखो, वह था:

a) अच्छाई और बुराई एक साथ
b) बहुत अच्छा
c) निरंतर केवल बुराई ही

2. भजन संहिता 34:8 — चखो और देखो कि यहोवा है:

a) दयालु

b) अच्छा
c) विश्वासयोग्य

3. 1 राजा 3:9 — इसलिये अपने दास को प्रजा का शासन करने के लिये ऐसी समझनेवाली बुद्धि दे, कि मैं भेद कर सकूँ:
a) हृदय के विचार
b) अच्छा और बुरा
c) अनाथ और विधवा

4. रोमियों 12:21 — बुराई से मत हार, वरन्:
a) बुराई के बदले बुराई न करना
b) बुराई पर भलाई से विजय पाना
c) उस चीज़ से घृणा करना जो बुरी है

5. उत्पत्ति 50:20 — तुम ने मेरी हानि करने का यत्न किया था, परन्तु परमेश्वर ने उसी को भलाई के लिये उपयोग में लाया, कि जैसा आज दिखाई पड़ता है, वैसा करे, कि:
a) बुराई का बदला बुराई से देना
b) उन्हें दुष्टों के हाथ से छुड़ाना
c) बहुत लोगों को जीवित बचाना

6. 1 यूहन्ना 2:14 — मैंने तुम्हें, हे जवानो, इसलिए लिखा है, कि तुम बलवन्त हो, और परमेश्वर का वचन तुम में बना रहता है, और तुम ने:
a) उसे जान लिया है जो आदि से है
b) उस दुष्ट पर विजय पाना
c) पवित्र आत्मा प्राप्त किया

7. प्रकाशितवाक्य 21:7 — जो जय पाए वह इन वस्तुओं का अधिकारी होगा, और मैं उसका परमेश्वर हूंगा, और:
a) वह मेरा पुत्र होगा
b) मैं उसकी आँखों से सारे आँसू पोंछ दूँगा
c) वह सदा-सर्वदा के लिए राज्य करेगा

उत्तर कुंजी: 1-b, 2-b, 3-b, 4-b, 5-c, 6-b, 7-a

यह अध्ययन कैसे शाखाओं में विभाजित होता है

छाया कैसे प्रकाश लाती है: व्यवस्था के अधीन शापित कहलाया गया वृक्ष (व्यवस्थाविवरण 21:22-23) वही प्रकार का वृक्ष है जिस पर मसीह को लटकाया गया, और वह हमारे लिए अभिशाप बन गया (गलातियों 3:13) — और जीवन का वृक्ष उसके दूसरी ओर खुला हुआ खड़ा है (प्रकाशितवाक्य 22:2)।

नई वाचा इसे किस प्रकार स्पष्ट करती है: जो पहले वृक्ष पर आज्ञा दी गई थी — कि हर एक वृक्ष का फल बिना रोक खाना, केवल एक को छोड़कर — वह अंतिम वृक्ष पर एक खुला निमंत्रण बन जाती है: जो जय पाए, उसे मैं जीवन के वृक्ष में से खाने दूंगा (उत्पत्ति 2:16-17 → प्रकाशितवाक्य 2:7)।

शब्द किस प्रकार महत्व रखते हैं: AGATHOS (G18, अच्छा) और KALOS (G2570, अच्छा) उसे नाम देते हैं जो अपने आप में भला है और जो प्रकट होने पर भला दिखता है; KAKOS (G2556, बुरा) और PONEROS (G4190, बुरा) उसे नाम देते हैं जो निकम्मा है और जिसकी इच्छा हानि पहुँचाने की ओर झुकी हुई है — चिन्हित करें कि कौन-सा शब्द किस पद में आता है, और क्यों।

यह आप पर कैसे लागू होता है: सब बातों को परखो, और जो अच्छी है उसे पकड़े रहो (1 थिस्सलुनीकियों 5:21)। बुराई से हट और भलाई कर (भजन संहिता 34:14)। ज्ञानेन्द्रियां अभ्यास से प्रशिक्षित होती हैं, न कि इच्छा से (इब्रानियों 5:14)।

अनन्तकाल के लिए इसका क्या अर्थ है: जो एक वृक्ष पर खोया गया था, वह दूसरे वृक्ष पर फिर से दिया गया है — जो जय पाए, उसे मैं जीवन के पेड़ में से खाने को दूंगा (प्रकाशितवाक्य 2:7), और फिर कोई श्राप न होगा (प्रकाशितवाक्य 22:3)।

विषयांतर: यूसुफ पुत्र का एक चित्र है, वह भाई जिसे बुराई में बेचा गया और परमेश्वर द्वारा जीवन बचाने के लिए भेजा गया (उत्पत्ति 45:5-8; प्रेरितों के काम 7:9-10) — पता लगाएं कि उसके विरुद्ध की गई बुराई को परमेश्वर ने कैसे भलाई में बदल दिया।

संभावित रहस्योद्घाटन: CHASHAB (H2803, सोचना, योजना बनाना) वही शब्द है जो उत्पत्ति 50:20 के दोनों पक्षों में प्रयोग हुआ है — जो भाइयों ने योजना बनाई, वही परमेश्वर ने भी योजना बनाई। [पद एक साथ जोड़े गए — कोई एक पद अकेले यह नहीं कहता] जो बुराई एक इच्छा द्वारा योजित थी, वही एक बड़ी इच्छा द्वारा उलट दी गई, बिना किसी भी पक्ष के आशय को नकारे।

उद्धार पाने के लिए आपको क्या करना चाहिए?

> *हमारे बाइबल अध्ययन को देखिए — "मुझे उद्धार पाने के लिए क्या करना चाहिए"*

SOURCES & CREDITS

Scripture: Hindi Indian Revised Version Bible (CC BY-SA 4.0) — a redistributable edition, looked up exactly and never machine-translated.

Alternate chapter/verse numbering reconciled with STEPBible TVTMS (CC BY 4.0).

Strong's numbering & original-language data: OpenScriptures Hebrew Bible (CC BY 4.0); STEPBible.org — TAHOT/TAGNT/TBESH/TBESG (CC BY 4.0); Robinson-Pierpont Byzantine Majority Text (Public Domain); Strong's dictionary, 1890 (Public Domain).

Typography: Google Noto fonts (SIL Open Font License 1.1).

© SEE MORE JESUS · wanttoseemore.com — shared under Creative Commons Attribution 4.0 (CC BY 4.0).